वर्ष : 2 अंक : 5 (वॉल्यूम-II) जुलाई-सितम्बर 2017 ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

पत्रिका में राष्ट्र विरोधी विचारों का प्रकाशन प्रतिबंधित है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* वर्ष के अंतिम अङ्क के प्रकाशन से पूर्व प्रथम अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध हो जाएगा।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **प्रत्येक लेख हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति के द्वारा त्रिस्तरीय स्तर पर समीक्षित होकर प्रकाशित हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
  (पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
  (पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. शंकर दयाल द्विवेदी**
  (संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
  (पूर्व प्रोफेसर राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
  (प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
  (हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
  (अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
  (पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम भरत सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रामप्रवेश कुमार**
  (संस्कृत विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
  (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
  (अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **डॉ. इन्द्र नारायण सिंह**
  (बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राजेश रंजन**
  (पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया**
  (संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
  (इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
  (राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. प्रवेश सक्सेना**
  (सेवानिवृत्त प्रोफेसर संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. गजेन्द्र सिंह**
  (एसोसिएट प्रोफेसर, अफ्रीकन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

विद्वत् समीक्षा समिति

हिन्दी :
डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर, दलित चिंतक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी
डॉ. रसाल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. राम किशोर यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. लालजी सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. कृष्णलाल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री अरविन्दो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
संस्कृत :
प्रो. दलवीर सिंह चौहान, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय
डॉ. उमाशंकर, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. आनन्द कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, देशबन्धु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय
इतिहास :
डॉ. एम.एम. रहमान, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. उमेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मनोज शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. भुवन झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
विधि :
डॉ. अनुपम झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. आशुतोष मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
अजय कुमार सिंह, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट
रवि शेखर मंगलमूर्ति, लोक अभियोजन अधिकारी, दिल्ली
अंग्रेजी :
डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. संजय वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
अफ्रीकन स्टडीज :
डॉ. गजेन्द्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
भूगोल शास्त्र :
डॉ. बाबर अली, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
राजनीति शास्त्र :
प्रो. राम भरत सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
प्रो. काशीनाथ जेना, *त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा*
दर्शन शास्त्र :
प्रो. राम सरेख सिंह, पूर्व *विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया*
राकेश कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य)
बौद्ध अध्ययन एवं पालि
प्रो. राजेश रंजन, नालन्दा नव-महाविहार, बिहार
डॉ. कामाख्या नारायण तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. रसाल सिंह**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **लाजपत राय**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, सत्यवती महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **उमेश कुमार**
(इतिहास विभाग, श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राम प्रमोल कुमार**
(संस्कृत विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, बंगाल)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

सम्पादक :
डॉ. रूपेश कुमार चौहान
मो. 9555222747, 9266319639

सहायक सम्पादक :
डॉ. राजेश कुमार
मो. 9555666907, 9891526584

सह-सम्पादक :
अभिषेक प्रियदर्शी
मो. 9971656921

उप-सम्पादक :
डॉ. राम किशोर यादव
मो. 9871600448

विधिक सलाहकार :
अरुण कुमार शुक्ला

मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर प्रसाद चौबे
मो. 9810636082

ग्राफिक डिजाइनर :
कवल मलिक, जे.डी. कंप्यूटर्स
मो. 9818455819

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9266319639

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

पत्र-व्यवहार का पता :
मकान नं.-41, सूरज नगर (दुर्गा मंदिर के सामने),
आजादपुर, दिल्ली-110033
फोन : 9555222747, 9540468787

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 6
नारी इतिहास और सशक्तिकरण 7
सुनीता कुमारी
Transparency and Good Governance in International Organizations ---------- 10
Nishant Pradhan
Should Privacy be a Fundamental Right? ----- 15
Rakshit Charan
शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन एवं समाधान एक प्रयास .. 19
दयानिधि तिवारी
Angolan Liberation Movement and Quest for Peace --- 24
Nishant Pradhan
नेपाल और भारत में देवियाँ, जीवित व कुमारी देवियाँ ... 28
कु. सुनीता कुमारी
कबीरदास की सामाजिक चेतना..... 36
शालू
ब्रिटिश शासन का विभिन्न सामाजिक वर्गों पर प्रभाव : एक अध्ययन 40
केशव कुमार राय
प्रभा खेतान के उपन्यास 'छिन्नमस्ता' में स्त्री विमर्श 43
शालू
प्रथम एवं द्वितीय नगरीकरण : एक विवेचना..... 46
रविशंकर प्रसाद
खड़ी बोली और कुमाऊँ के कवि गुमानी..... 51
सीमा सिंह
Effect of Yogic Exercises Training on Selected Psychological Variables of Secondary School Male Students ---------- 54
Dr. Kunal
ब्रह्मपुराण की वर्तमान में प्रासंगिकता (ऋषि, तीर्थ एवं पर्वों के संदर्भ में) 59
डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा
बिहार में महात्मा गांधी के कमान संभालने के पश्चात् अस्पृश्यता-निवारण आंदोलन की दिशा 64
जितेन्द्र पासवान
नस्लवादी मानसिक त्रासदी का 'हवन'..... 67
सीमा सिंह
मानकीय नीतिशास्त्र एवं अधिनीतिशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन..... 71
डॉ. अभिषेक उपाध्याय
भगवानदास मोरवाल के उपन्यासों में हाशिए का समाज .. 74
सविता रानी
The synergetic properties of the linguistic system units - 77
Suleymanova Nargiza Mardonovna
Ashoka's Edicts and his Empire ---------- 80
Pallavi Prasad
Financial Inclusion: Small, Mini or.... ---------- 86
Dharmveer Yadav
महात्मा और कवि : असहमति और सहमति 89
लाजपत राय
घनआनन्द एवं बिहारी के काव्य में रूप-सौन्दर्य की प्रासंगिकता 92
डा. ममता शर्मा
Understanding The Pain of Palestinians in the Worlds of Mahmoud Darwish ---------- 96
Lajpat Rai
घनआनन्द एवं बिहारी के काव्य में आन्तरिक 99
डा. ममता शर्मा
अम्बेडकर और जाति विमर्श 103
लाजपत राय
झालावाड़ राज्य का अनूठा शासक : महाराजराणा जालिमसिंह द्वितीय (1876-96 ई.) 109
दीपेश यादव
नाम में क्या रखा है 116
यशपाल रमन
Buddhist Historical Sites in Ancient Punjab ---- 119
Harish Kumar Baluja
नैतिक भाषा दर्शन में परामर्शवाद का योगदान 122
डॉ. अभिषेक उपाध्याय
भारतीय राष्ट्रवाद और 1857 126
नवनीत कुमार
उत्तराखण्ड विकास की रणनीति 128
डॉ. हीरा सिंह बिष्ट
Agriculture: Basic Backbone of Livelihood 132
Mandeep
ऐतिहासिक उपन्यासों की परम्परा का विकास 134
प्रीति सिंह
Space Research : Vision Beyond the Earth ---- 140
Mandeep
Contribution of Advaitavedanta in Human Life ---------- 142
Karunananda Mukhopadhyaya
दलितों के लिए सुन्दर सोच 144
डॉ. कुन्दन कुमार
Meaning of Humanism in The Philosophy of Swami Vivekananda ---------- 148
Dr. Alka Sinha
अंग्रेजों की विजय एवं उपनिवेशकवाद की स्थापना की प्रक्रिया 150
डॉ. अशोक कुमार
Maratha Saints in their Time & Ideological Engagement---------- 153
Dr. Hemant Kumar Mishra
Accessing Public Health Service Delivery for all through National Health Mission ---- 162
Dr. Pooja Paswan
पंडिता रमाबाई : नारी की निजता और नारी-शिक्षा का महत्त्व 171
डॉ. प्रतिभा
Dara Shukoh and a Hindu Yogi : Discourse of Baba Lal ---------- 177
Dr. Mridula Jha
मनोविश्लेषणात्मक आलोचना की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि 182
डॉ. कविता राजन

जन आकांक्षाओं से जुड़ी शायरी 193
डॉ. अनिल कुमार सिंह
आधुनिक परिप्रेक्ष्य में आयुर्वेद की उपादेयता 199
डॉ. धनपति कश्यप
साहित्य और सिनेमा का संबंध 202
डॉ. चित्रा सिंह
प्रेमचंद के उपन्यासों में धर्मनिरपेक्ष समाज की संकल्पना 206
डॉ. सुनीता खुराना
समकालीन हिंदी कहानी के बड़े-बुजुर्ग..... 209
रीनू गुप्ता
हिंदी आलोचना में 'राग दरबारी'..... 216
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
भारतीय भाषाओं में दलित स्त्री काव्य..... 220
डॉ. सुनीता खुराना
भोजपुरी लोकगीतों में स्त्री-स्वर 224
डॉ. संगीता राय
हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक विषमताएं.... 229
डॉ. आशा रानी
राजेन्द्र यादव का दलित संबंधी दृष्टि..... 236
डॉ. चन्द्रशेखर राम
आपका बंटी में चित्रित सामाजिक समस्या 241
डॉ. राम किशोर यादव
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक चित्रण . 245
डॉ. देव कुमार
विद्रोह की भूमिका और त्यागपत्र 251
डॉ. पदमा राम परिहार
বাদল সরকারের নাটেক অস্তিত্ববাদী দর্শন ভাবনা 256
ড. অনির্বাণ সাহু

तेलंगाना किसान आन्दोलन (1946-51) 262
डॉ. निर्मला राणा
ऋग्वेद में वर्णित आयुर्वेदीय वृक्ष और वनस्पतियाँ..... 269
डॉ. सुषमा राणा
स्त्री के अधिकारों के विषय में मनु की व्यवस्था 276
विनीत कुमारी

सम्पादकीय

आज का युग वैज्ञानिक युग है। विज्ञान ने अकल्पनीय प्रगति की है। एक तरफ उसने मानव कल्याण के लिए चमत्कारिक एवं सृजनात्मक शोध करके जीवन को सहज एवं सरल बनाया है। वहीं दूसरी तरफ सम्पूर्ण मानवता के विनाश एवं संहार के लिए परमाणु हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा भी बनाया है। विज्ञान के इस विकास ने जीवन के अस्तित्व को ही चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

आज 'आत्म-विचार' के स्थान पर 'एटम विचार' और 'ब्रह्म जिज्ञासा' के स्थान पर 'बम-जिज्ञासा' हो रही है। सर्वत्र, भय संत्रास और अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप अशान्ति और दु:ख का साम्राज्य है। अपने अनुभवों के आधार पर यह कह सकता हूँ कि वर्णाश्रम व्यवस्था, धर्म, आस्तिकता और नैतिकता, ये सब कल्पनालोक की वस्तुएं हो गई हैं। विज्ञान के कारण व्यक्ति, पर्यावरण और जीवन-मूल्यों के एकत्रित अध्ययन की व्यवस्था समाप्त हो गयी है। इस तरह विज्ञान के एकांगी विकास ने जीवन-मूल्यों को उपेक्षित कर दिया है। गरीब से गरीब देश भी अपने नागरिकों को भूखा रखकर राष्ट्रीय आय का अधिकांश हिस्सा परमाणु हथियारों के आविष्कार और परीक्षण पर खर्च कर रहा है। इनसे सम्पूर्ण विश्व में महंगाई और मुद्रास्फीति है।

जानकारों का कहना है कि रासायनिक हथियारों एवं कीटाणु युद्ध के क्षेत्र में विकसित देशों के परीक्षणों से नई-नई संक्रामक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। कभी इबोला तो कभी स्वाइन फ्लू से दहशत का माहौल है।

उपरोक्त सारी समस्याओं का सामना सम्पूर्ण मानव जाति को करना पड़ रहा है, जिसका समाधान वैश्विक स्तर पर मिल-जुलकर ही किया जा सकता है। हमारे पास इस समस्या की चुनौतियों से निपटने का एकमात्र साधन शिक्षा है। अपनी शैक्षिक व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन के द्वारा शून्य से शांत अर्थात् जन्म से मृत्यु तक को व्यवस्थित किया जा सकता है। आज गूगल गुरु का चमत्कार है, जिसमें जानकारी ज्यादा है, समझदारी का लोप होता जा रहा है। इसलिए भारतीय शिक्षा में भारतीय मूल्यों के महत्व को प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही जोड़ना पड़ेगा। शिक्षा के प्रारंभ से ही धरती माता के प्रति प्रेम का पाठ पढ़ाना पड़ेगा। तब वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे वाक्यों की सार्थकता होगी। धरती जब माता है तो उसकी वनस्पतियों, जीव-जन्तुओं से भी एक सम्बन्ध बनेगा, जिससे इन प्राकृतिक संसाधनों का अनाप-शनाप दोहन रुकेगा। उपभोक्तावाद की जगह पर नियंत्रित विकास की परिकल्पना को मजबूत करना पड़ेगा। नई विश्व चेतना में घृणा, कट्टरता, हिंसा और ईर्ष्या का व्यापक प्रभाव पड़ता जा रहा है। इसको काबू में करने के लिए सभी धर्मों के बीच आपस में निरंतर बातचीत को बढ़ावा मिलना चाहिए, वहीं पाठ्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के मूलमंत्र सहिष्णुता, प्रेम, दया जैसी भावनाओं का समावेश होना जरूरी है। महिला सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा पर ध्यान देने से कई तरह की सामाजिक विकृतियों को दूर किया जा सकता है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'स्वच्छ भारत अभियान' को महिला शिक्षा के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक सबसे बड़ी कमी नगरोन्मुखी होना है। जबकि भारत गाँवों का देश है, इसलिए गाँवोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

अन्त में यह कहा जा सकता है कि देश बड़े बदलाव के लिए चौराहे पर खड़ा है, जिसमें हमें प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग का, भोगवाद की जगह संयम का, घृणा की जगह सामंजस्य का मार्ग अपनाना पड़ेगा, जिसके लिए खंडित शिक्षा की जगह अखण्ड शिक्षा की जरूरत है, क्योंकि शिक्षा प्रकाश है, जो शिक्षित है, वही प्रकाश की ओर ले जाता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वाक्सुधा भी ऐसा ही करेगी।

- डॉ. रूपेश कुमार चौहान

Kawal Malik

Mob. 9818455819

J.D. Computers

All Types of Hindi, English, Sanskrit Typing,
Job Work and Printing

2157, Outram Line, Near Canara Bank,
Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, Delhi-110009

Email : malikkawal@gmail.com